



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

LOGIC REASONING- STATEMENT ARGUMENT (HINDI)

Q1: कथन: सभी स्तनधारी गर्म रक्त वाले जानवर हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन स्तनधारियों के जैविक वर्गीकरण के आधार पर सत्य है। स्तनधारियों को कई विशिष्ट विशेषताओं की विशेषता है, जिसमें बाल या फर होना, अपने युवा को पोषण देने के लिए दूध का उत्पादन करना और गर्म रक्त होना शामिल है। गर्म-रक्त, या एंडोथर्मि, स्तनधारियों का एक प्रमुख लक्षण है, जिससे वे अपने शरीर के तापमान को आंतरिक रूप से नियंत्रित कर सकते हैं। यह उन्हें सरीसृप जैसे ठंडे खून वाले जानवरों से अलग करता है, जिनके शरीर का तापमान उनके पर्यावरण के साथ उतार-चढ़ाव करता है। गर्म रक्त वाले स्तनधारियों के उदाहरणों में मनुष्य, कुत्ते, बिल्लियाँ और व्हेल शामिल हैं। इसलिए, तर्क मान्य है, जैविक सिद्धांतों द्वारा समर्थित है।

लघु विधि: सच है; स्तनधारी स्वाभाविक रूप से गर्म रक्त वाले होते हैं।

Q2: कथन: सभी राजनेता भ्रष्ट हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन जल्दबाजी में सामान्यीकरण भ्रम का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हालांकि यह सच है कि राजनीति में भ्रष्टाचार मौजूद है, लेकिन सभी राजनेताओं को स्पष्ट रूप से भ्रष्ट के रूप में लेबल करना अनुचित और अतार्किक है। कई राजनेता अपने घटकों की सेवा करने और नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए वास्तविक इरादों के साथ सार्वजनिक सेवा में प्रवेश करते हैं। इस तरह के कंबल बयान राजनीतिक क्षेत्र के भीतर विविधता की अनदेखी करते हैं और कई राजनेताओं को स्वीकार करने में विफल होते हैं जो ईमानदारी के साथ काम करते हैं। इसलिए, तर्क इसके अतिसामान्यीकरण और बारीकियों की कमी के कारण अमान्य है।

लघु विधि: भ्रामक; जल्दबाजी में सामान्यीकरण।

Q3: कथन: सभी पक्षी उड़ सकते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन सार्वभौमिक रूप से सत्य नहीं है, क्योंकि कई पक्षी प्रजातियां हैं जो उड़ान रहित हैं। उदाहरण के लिए, शतुरमुर्ग, पेंगुइन और कीवी ऐसे पक्षी हैं जो पर्यावरणीय अनुकूलन के कारण उड़ान रहित हो गए हैं। पक्षियों में विभिन्न कारणों से उड़ानहीनता हो सकती है, जिसमें निवास स्थान विशेषज्ञता, कम भविष्यवाणी दबाव या शारीरिक बाधाएं शामिल हैं। इसलिए, तर्क अमान्य है, क्योंकि यह उड़ान रहित पक्षी प्रजातियों के अस्तित्व को नजरअंदाज करता है।

संक्षिप्त विधि: झूठा; कुछ पक्षी उड़ान रहित होते हैं।

Q4: कथन: सभी धातुएँ विद्युत की चालक हैं।

तर्क: लंबी विधि: जबकि कई धातुएं वास्तव में अपनी परमाणु संरचना में मुक्त इलेक्ट्रॉनों की उपस्थिति के कारण बिजली की अच्छी संवाहक हैं, यह सभी धातुओं के लिए सार्वभौमिक रूप से सच नहीं है। कुछ धातुएँ, जैसे सीसा और पारा, बिजली के खराब कंडक्टर हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रेफाइट (कार्बन का एक रूप) और कुछ धातु मिश्र धातु जैसे गैर-धातु तत्व चालकता गुणों का प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, तर्क अमान्य है, क्योंकि यह धातुओं और विद्युत चालकता के बीच संबंधों को सरल करता है। **लघु विधि:** झूठा; अपवाद मौजूद हैं, जैसे सीसा और पारा।

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

Q5: कथन: सभी वर्ग आयत हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन ज्यामिति में आकृतियों की परिभाषा के आधार पर सत्य है। एक वर्ग एक विशेष प्रकार का आयत है जहां सभी चार भुजाएँ समान लंबाई की होती हैं और सभी चार कोण समकोण होते हैं। इसलिए, परिभाषा के अनुसार, प्रत्येक वर्ग एक आयत के रूप में वर्गीकृत किए जाने के मानदंडों को पूरा करता है। हालांकि, सभी आयत वर्ग नहीं हैं, क्योंकि समकोण बनाए रखते हुए आयतों में असमान पक्ष हो सकते हैं। इसलिए, तर्क मान्य है, ज्यामितीय सिद्धांतों पर आधारित है।

लघु विधि: सत्य; वर्ग आयतों का एक सबसेट है।

Q6: कथन: सभी सांप जहरीले होते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है और एक व्यापक सामान्यीकरण भ्रम का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि कुछ सांप प्रजातियां जहरीली होती हैं और जहर पैदा करने के लिए विशेष ग्रंथियां होती हैं, सभी सांप जहरीले नहीं होते हैं। कई गैर-विषैले सांप प्रजातियां हैं, जैसे कि अजगर, बोआ और गार्टर सांप, जो अपने शिकार को वश में करने के लिए कसना या अन्य साधनों पर भरोसा करते हैं। इसलिए, इसके अतिसामान्यीकरण और सांप प्रजातियों की विविधता के लिए खाते में विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

संक्षिप्त विधि: गलत; कई सांप गैर-विषैले होते हैं।

Q7: कथन: सभी हंस सफेद हैं।

तर्क: लंबी विधि: ऑस्ट्रेलिया में काले हंसों की खोज तक इस कथन को ऐतिहासिक रूप से सच माना जाता था। काले हंसों के अस्तित्व ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि सभी हंस सफेद होते हैं। यह अवधारणा स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने और परिष्कृत करने में अनुभवजन्य साक्ष्य के महत्व को दर्शाती है। इसलिए, तर्क अनुभवजन्य टिप्पणियों के आधार पर अमान्य है जो कथन का खंडन करते हैं।

लघु विधि: काले हंसों के अस्तित्व से मिथ्या।

Q8: कथन: सभी त्रिभुजों की तीन भुजाएँ होती हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन परिभाषा के अनुसार सत्य है, क्योंकि त्रिभुज ज्यामितीय आकृतियाँ हैं जिनकी विशेषता तीन भुजाएँ हैं। पक्ष लंबाई में भिन्न हो सकते हैं, और कोण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन तीन कोणों को बनाने से जुड़े तीन सीधे पक्षों के साथ एक आंकड़ा हमेशा एक त्रिकोण के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसलिए, तर्क मान्य है, ज्यामिति में त्रिकोण की परिभाषा में आधारित है।

संक्षिप्त विधि: सत्य; एक त्रिभुज की परिभाषा।

Q9: कथन: सभी व्हेल मछली हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है और एक आम गलत धारणा को दर्शाता है। व्हेल स्तनधारी हैं, मछली नहीं। जबकि वे मछली के साथ कुछ सतही समानताएं साझा करते हैं, जैसे कि जलीय वातावरण में रहना और सुव्यवस्थित

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

शरीर होना, व्हेल गर्म रक्त वाले होते हैं, जीवित युवा को जन्म देते हैं, और दूध के साथ अपनी संतानों को नर्स करते हैं - ऐसी विशेषताएं जो उन्हें स्तनधारियों के रूप में वर्गीकृत करती हैं। इसलिए, तर्क इसकी तथ्यात्मक अशुद्धि के कारण अमान्य है।

लघु विधि: गलत; व्हेल स्तनधारी हैं, मछली नहीं।

Q10: कथन: सभी गुलाब लाल हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन एक तथ्यात्मक दावे के बजाय एक काव्यात्मक सामान्यीकरण है। जबकि वाक्यांश "गुलाब लाल हैं" आमतौर पर रोमांटिक इमेजरी से जुड़ा होता है, गुलाब वास्तव में सफेद, पीले, गुलाबी और यहां तक कि नीले (आनुवंशिक संशोधन के माध्यम से) सहित विभिन्न रंगों में आते हैं। इसलिए, गुलाब के रंगों के अतिसरलीकृत और गलत चित्रण के कारण तर्क अमान्य है। **लघु विधि:** गलत; गुलाब विभिन्न रंगों में आते हैं।

Q11: कथन: सभी वकील बेईमान हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन एक व्यापक सामान्यीकरण है जो कुछ व्यक्तियों के कार्यों के आधार पर गलत तरीके से पूरे पेशे की विशेषता है। जबकि बेईमानी किसी भी पेशे के भीतर मौजूद हो सकती है, सभी वकीलों को इस विशेषता का श्रेय देना अतार्किक और अन्यायपूर्ण है। कई वकील नैतिक मानकों को बनाए रखते हैं और अपने व्यवहार में न्याय और सच्चाई की वकालत करते हैं। सार्वभौमिक रूप से बेईमान के रूप में स्टीरियोटाइपिंग वकील कानूनी पेशे के भीतर व्यक्तियों की विविधता को नजरअंदाज करते हैं और समाज में उनके योगदान को पहचानने में विफल रहते हैं। इसलिए, तर्क इसके अतिसामान्यीकरण और सबूतों की कमी के कारण अमान्य है।

लघु विधि: अनुचित सामान्यीकरण; सभी वकील बेईमान नहीं हैं।

Q12: कथन: सभी मकड़ियाँ जहरीली होती हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है और एक आम गलत धारणा का प्रतिनिधित्व करता है। जबकि कई मकड़ी प्रजातियों में विष ग्रंथियां होती हैं और अपने शिकार को स्थिर करने के लिए जहर का उपयोग करती हैं, सभी मकड़ियां मनुष्यों के लिए जहरीली नहीं होती हैं। वास्तव में, अधिकांश मकड़ी के काटने मनुष्यों के लिए हानिरहित होते हैं, केवल एक छोटा प्रतिशत महत्वपूर्ण चिकित्सा मुद्दों का कारण बनता है। इसके अलावा, कुछ मकड़ी प्रजातियों में विष ग्रंथियों की पूरी तरह से कमी होती है। इसलिए, मकड़ी की प्रजातियों की विविधता और उनके व्यवहार के लिए इसके अतिसरलीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

संक्षिप्त विधि: गलत; सभी मकड़ियाँ जहरीली नहीं होती हैं।

Q13: कथन: सभी हीरे महंगे हैं।

तर्क: लंबी विधि: जबकि हीरे अक्सर विलासिता और उच्च मूल्य से जुड़े होते हैं, सभी हीरे स्वाभाविक रूप से महंगे नहीं होते हैं। हीरे का मूल्य कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें उसका कैरेट वजन, कट, स्पष्टता और रंग (4C के रूप में जाना जाता है) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाए गए सिंथेटिक हीरे प्राकृतिक हीरे की तुलना में काफी कम महंगे हो सकते हैं। इसके अलावा, गैर-गहने उद्देश्यों के लिए उपयोग किए

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

जाने वाले औद्योगिक-ग्रेड हीरे अपेक्षाकृत सस्ते हैं। इसलिए, तर्क इसके अतिसरलीकरण और हीरे के प्रकारों और मूल्यों की विविध श्रेणी पर विचार करने में विफलता के कारण अमान्य है।

लघु विधि: अतिसरलीकृत है; हीरे का मूल्य भिन्न होता है।

Q14: कथन: सभी कौवे काले हैं। युक्ति:

लंबी विधि: इस कथन को ऐतिहासिक रूप से अल्बिनो और ल्यूसिस्टिक कौवे की खोज तक सच माना जाता था, जिसमें वर्णक मेलैनिन की कमी होती है जो कौवे को उनका काला रंग देती है। सफेद कौवे का अस्तित्व इस धारणा को चुनौती देता है कि सभी कौवे काले हैं, वैज्ञानिक ज्ञान को परिष्कृत करने में अनुभवजन्य अवलोकन के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। इसलिए, तर्क अनुभवजन्य साक्ष्य के आधार पर अमान्य है जो कथन का खंडन करता है।

लघु विधि: सफेद कौवे के अस्तित्व से मिथ्या।

Q15: कथन: सभी तैराक तैर सकते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है, क्योंकि सभी तैराकों में तैरने की क्षमता नहीं होती है। प्लोटिंग शरीर की संरचना, उछाल और तैराकी तकनीक सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। जबकि कई लोग उचित प्रशिक्षण और तकनीक के साथ तैरना सीख सकते हैं, कुछ व्यक्ति स्वाभाविक रूप से उच्च शरीर घनत्व या उत्साही वसा की कमी के कारण डूब जाते हैं। इसके अतिरिक्त, घबराहट, थकान या समन्वय की कमी जैसे कारक तैराक की तैरने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, तैराकी क्षमता में व्यक्तिगत अंतर के लिए इसके अतिसरलीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

लघु विधि: गलत; तैरने की क्षमता तैराकों के बीच भिन्न होती है।

Q16: कथन: सभी केले फल हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन फलों की वानस्पतिक परिभाषा के आधार पर सत्य है। वानस्पतिक शब्दों में, फल एक फूल वाले पौधे के परिपक्व अंडाशय या अंडाशय होते हैं, जिनमें आमतौर पर बीज होते हैं। केले इस मानदंड को पूरा करते हैं, क्योंकि वे केले के फूलों के अंडाशय से विकसित होते हैं और इसमें बीज होते हैं (हालांकि कई खेती वाली किस्मों में कम या गैर-मौजूद बीज होते हैं)। इसलिए, वानस्पतिक वर्गीकरण द्वारा, केले वास्तव में फल हैं। हालांकि, पाक संदर्भों में, केले को अक्सर उनके मीठे स्वाद और डेसर्ट और खाना पकाने में उपयोग के कारण स्टार्चयुक्त फल के रूप में माना जाता है।

संक्षिप्त विधि: सच है; केले वनस्पति फल हैं।

Q17: कथन: सभी स्तनधारी अंडे देते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। हालांकि यह सच है कि कुछ स्तनधारी, जैसे कि मोनोट्रेम (जैसे, प्लैटिपस और इकिडना), अंडे देते हैं, स्तनधारियों का विशाल बहुमत जीवित युवा को जन्म देता है। अधिकांश स्तनधारियों को विविपेरस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसका अर्थ है कि वे जीवित संतानों को जन्म देते हैं जो मां के गर्भाशय में आंतरिक रूप से विकसित होते हैं। यह गलत धारणा कि सभी स्तनधारी अंडे देते हैं, स्तनधारी प्रजनन की

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

गलतफहमी और वर्ग स्तनधारी के भीतर पाई जाने वाली विविध प्रजनन रणनीतियों से उपजी है। **लघु विधि:** गलत; अधिकांश स्तनधारी युवा रहने के लिए जन्म देते हैं।

Q18: कथन: सभी पेड़ शरद ऋतु में अपने पत्ते गिरा देते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि कई पर्णपाती पेड़ अपने मौसमी चक्र के हिस्से के रूप में शरद ऋतु में अपने पत्ते बहाते हैं, सभी पेड़ इस व्यवहार को प्रदर्शित नहीं करते हैं। सदाबहार पेड़, जैसे कि देवदार, देवदार और स्प्रूस के पेड़, साल भर अपने पत्ते बनाए रखते हैं और शरद ऋतु में एक अलग पत्ती-बहा अवधि से नहीं गुजरते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ पर्णपाती पेड़ सर्दियों के महीनों में अपने पत्तों को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं या पर्यावरणीय कारकों और भौगोलिक स्थिति के आधार पर वर्ष के अलग-अलग समय में पत्तियों को बहा सकते हैं। इसलिए, पेड़ प्रजातियों की विविधता और उनके व्यवहार के लिए इसके अतिसरलीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

लघु विधि: गलत; सदाबहार पेड़ पत्तियों को बरकरार रखते हैं।

Q19: कथन: सभी धातुएँ चुंबकीय हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि कुछ धातुएँ, जैसे लोहा, निकल और कोबाल्ट, स्वाभाविक रूप से चुंबकीय हैं, सभी धातुएँ चुंबकीय गुणों का प्रदर्शन नहीं करती हैं। एल्यूमीनियम, तांबा और सोना जैसी धातुएँ सामान्य परिस्थितियों में गैर-चुंबकीय होती हैं। धातु के चुंबकित होने की क्षमता उसकी परमाणु संरचना और अप्रकाशित इलेक्ट्रॉनों की उपस्थिति पर निर्भर करती है जो चुंबकीय संरेखण में योगदान करते हैं। चुंबकीय व्यवहार कुछ धातुओं और मिश्र धातुओं के लिए विशिष्ट संपत्ति है और सभी धातुओं की सार्वभौमिक विशेषता नहीं है। इसलिए, चुंबकीय और गैर-चुंबकीय धातुओं की विविधता को स्वीकार करने में इसकी अतिसरलीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

लघु विधि: झूठा; सभी धातुएँ चुंबकीय नहीं हैं।

Q20: कथन: सभी सांप खतरनाक होते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन एक सकल सरलीकरण है और गलत है। जबकि कुछ सांप प्रजातियाँ जहरीली होती हैं और मनुष्यों के लिए संभावित खतरा पैदा करती हैं, सांप की अधिकांश प्रजातियाँ गैर-विषैली और हानिरहित होती हैं। इसके अतिरिक्त, यहां तक कि विषैले सांप भी आमतौर पर मनुष्यों के साथ टकराव से बचेंगे जब तक कि उकसाया या धमकी न दी जाए। सांपों की सार्वभौमिक रूप से खतरनाक धारणा तथ्यात्मक साक्ष्य के बजाय भय और गलतफहमी से उपजी है। इसलिए, सांप की प्रजातियों की विविधता और उनके व्यवहार पर विचार करने में इसके अतिसामान्यीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

संक्षिप्त विधि: गलत; कई सांप हानिरहित होते हैं।

Q21: कथन: सभी उपन्यास काल्पनिक हैं।

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि कई उपन्यास काल्पनिक कहानियों और पात्रों को चित्रित करते हुए कल्पना के काम हैं, सभी उपन्यास इस श्रेणी में नहीं आते हैं। नॉन-फिक्शन उपन्यास, जिन्हें साहित्यिक नॉन-फिक्शन या नैरेटिव नॉन-फिक्शन के रूप में भी जाना जाता है, फिक्शन के समान कथा प्रारूप में तथ्यात्मक जानकारी और वास्तविक जीवन की घटनाओं को प्रस्तुत करते हैं। गैर-काल्पनिक उपन्यासों के उदाहरणों में आत्मकथाएँ, आत्मकथाएँ, ऐतिहासिक खाते और यात्रा कथाएँ शामिल हैं। इसलिए, साहित्यिक शैलियों की विविधता को स्वीकार करने में इसकी अतिसरलीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

लघु विधि: गलत; गैर-काल्पनिक उपन्यास मौजूद हैं।

Q22: कथन: सभी कीड़ों के छह पैर होते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। अधिकांश कीड़े एक शरीर योजना का प्रदर्शन करते हैं जिसमें तीन अलग-अलग शरीर खंड (सिर, वक्ष और पेट) और छह पैर होते हैं। हालाँकि, इस नियम के अपवाद हैं। कुछ कीट प्रजातियाँ, जैसे कि कुछ भृंग, विकासवादी अनुकूलन के कारण संशोधित अग्रभाग या कार्यात्मक पैरों की कमी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, असामान्यताएं या उत्परिवर्तन पैर संख्या में भिन्नता पैदा कर सकते हैं। कुल मिलाकर, जबकि छह-पैर वाले शरीर की योजना कीड़ों के बीच आम है, कीट वर्ग के भीतर अपवाद मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; कुछ अपवाद मौजूद हैं।

Q23: कथन: सभी धातुएँ कमरे के तापमान पर ठोस होती हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि कई धातुएं वास्तव में कमरे के तापमान पर ठोस होती हैं, कुछ धातुएं मानक परिस्थितियों में पदार्थ की विभिन्न अवस्थाओं का प्रदर्शन करती हैं। उदाहरण के लिए, पारा एक धातु है जो कमरे के तापमान पर तरल है। इसके अतिरिक्त, कुछ क्षार धातुओं, जैसे कि सीज़ियम और फ्रेंशियम, में कमरे के तापमान के करीब या थोड़ा ऊपर गलनांक होते हैं, जिससे कुछ शर्तों के तहत तरल अवस्था होती है। इसलिए, धातुओं के विविध भौतिक गुणों के लिए इसके अतिसरलीकरण और विफलता के कारण तर्क अमान्य है।

लघु विधि: गलत; पारा कमरे के तापमान पर तरल है।

Q24: कथन: सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन हमारे सौर मंडल के संदर्भ में सत्य है। सौर मंडल के हेलियोसेंट्रिक मॉडल में, पृथ्वी सहित सभी ग्रह, सूर्य और ग्रहों के बीच गुरुत्वाकर्षण आकर्षण के कारण सूर्य की परिक्रमा करते हैं। हालाँकि, अन्य खगोलीय पिंड हैं, जैसे चंद्रमा, क्षुद्रग्रह और धूमकेतु, जो सीधे सूर्य के बजाय ग्रहों की परिक्रमा करते हैं। इसलिए, जबकि यह कथन हमारे सौर मंडल के ग्रहों के लिए सत्य है, यह सभी खगोलीय पिंडों पर सार्वभौमिक रूप से लागू नहीं हो सकता है।

लघु विधि: हमारे सौर मंडल में ग्रहों के लिए सच है।

Q25: कथन: सभी कवक पौधे हैं।

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

तर्क: लंबी विधि: यह कथन जैविक वर्गीकरण के आधार पर गलत है। जबकि कवक और पौधे कुछ सतही समानताएं साझा करते हैं, जैसे कि गतिहीनता और बीजाणुओं का उत्पादन करने की क्षमता, वे अलग-अलग जैविक राज्यों से संबंधित हैं। कवक को राज्य कवक में वर्गीकृत किया जाता है, जबकि पौधों को प्लांटे साम्राज्य में वर्गीकृत किया जाता है। कवक में क्लोरोफिल की कमी होती है और पौधों की तरह प्रकाश संश्लेषण नहीं करते हैं। इसके बजाय, वे अपने पर्यावरण से अवशोषण के माध्यम से पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। इसलिए, पौधों के रूप में कवक के गलत वर्गीकरण के कारण तर्क अमान्य है।

संक्षिप्त विधि: गलत; कवक एक अलग राज्य से संबंधित है।

Q26: कथन: सभी स्तनधारियों के फर या बाल होते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। अधिकांश स्तनधारियों में फर या बाल होते हैं, जो इन्सुलेशन, छलावरण और संवेदी धारणा जैसे विभिन्न कार्यों को पूरा करता है। हालांकि, इस नियम के अपवाद हैं। उदाहरण के लिए, व्हेल और डॉल्फिन जैसे जलीय स्तनधारियों ने सुव्यवस्थित शरीर विकसित किए हैं और बाहरी फर या बालों की कमी है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्तनधारियों, जैसे कि नग्न तिल चूहों, उनके पर्यावरण के अनुकूलन के कारण बहुत विरल या अनुपस्थित बाल होते हैं। कुल मिलाकर, जबकि फर या बाल अधिकांश स्तनधारियों की विशेषता है, अपवाद वर्ग स्तनधारियों के भीतर मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; कुछ अपवाद मौजूद हैं।

Q27: कथन: सभी धातुएं आघातवर्धनीय हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। कई धातुएं मॉलबिलिटी प्रदर्शित करती हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें बिना टूटे पतली चादरों में हथौड़ा मारा जा सकता है, लुढ़काया जा सकता है या दबाया जा सकता है। यह संपत्ति धातुओं के धातु संबंध और क्रिस्टलीय संरचना के कारण है, जो दबाव में प्लास्टिक विरूपण की अनुमति देता है। हालांकि, कुछ धातुएं भंगुर होती हैं और उनमें मॉलबिलिटी की कमी होती है। उदाहरण के लिए, अपने शुद्ध रूप में अधिकांश संक्रमण धातुएं निंदनीय होती हैं, जबकि आर्सेनिक और सुरमा जैसे कुछ मेटलॉइड्स भंगुर होते हैं। इसलिए, जबकि धातुओं में आघातवर्धनीयता आम है, विशिष्ट धातु और इसके गुणों के आधार पर अपवाद मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; कुछ अपवाद मौजूद हैं।

Q28: कथन: सभी बादल जल वाष्प से बने होते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आंशिक रूप से सत्य है लेकिन अतिसरलीकृत है। बादल मुख्य रूप से वायुमंडल में निलंबित छोटे पानी की बूंदों या बर्फ के क्रिस्टल से बने होते हैं। ये बूंदें एरोसोल कणों, धूल या नाभिक पर जल वाष्प के संघनन के माध्यम से बनती हैं। हालांकि, बादलों में जल वाष्प के अलावा अन्य पदार्थ भी हो सकते हैं, जैसे प्रदूषक, धूल और ज्वालामुखी राख। इसके अतिरिक्त, कुछ प्रकार के बादल, जैसे कि निशाचर बादल और नाक के बादल, उच्च ऊंचाई पर बनते हैं जहां बर्फ के क्रिस्टल से मिलकर जल वाष्प के गैसीय अवस्था में मौजूद होने के लिए

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

तापमान बहुत ठंडा होता है। इसलिए, जबकि जल वाष्प बादलों का एक प्रमुख घटक है, अन्य कारक बादल निर्माण और संरचना में योगदान करते हैं।

संक्षिप्त विधि: ज्यादातर सच है; बादलों में मुख्य रूप से जल वाष्प होता है।

Q29: कथन: सभी चट्टानें कठोर हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। अधिकांश चट्टानें अपनी खनिज संरचना और क्रिस्टलीय संरचना के कारण कठोरता प्रदर्शित करती हैं। हालाँकि, इस नियम के अपवाद हैं। कुछ चट्टानें, जैसे चाक और कुछ प्रकार के चूना पत्थर, अपेक्षाकृत नरम होते हैं और आसानी से खरोंच या टूट सकते हैं। एक चट्टान की कठोरता खनिज संरचना, अनाज के आकार और भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं जैसे कारकों पर निर्भर करती है। इसलिए, जबकि कठोरता चट्टानों की एक सामान्य विशेषता है, विशिष्ट प्रकार की चट्टान के आधार पर अपवाद मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; कुछ अपवाद मौजूद हैं।

Q30: कथन: सभी पक्षी उड़ सकते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि उड़ने की क्षमता कई पक्षी प्रजातियों की एक परिभाषित विशेषता है, सभी पक्षी उड़ान भरने में सक्षम नहीं हैं। शतुरमुर्ग, एमस और पेंगुइन जैसे उड़ान रहित पक्षियों ने अनुकूलन विकसित किए हैं जो उन्हें उड़ान से रोकते हैं। इन अनुकूलन में कम आकार, शरीर के द्रव्यमान में वृद्धि, या स्थलीय या जलीय हरकत के लिए विशेष शारीरिक विशेषताएं शामिल हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ पक्षी प्रजातियां, जैसे कि मुर्गियां और टर्की, पालतू बनाए गए हैं और उन लक्षणों के लिए नस्ल हैं जो उड़ान क्षमता पर मांस उत्पादन को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए, जबकि पक्षियों के बीच उड़ान आम है, उड़ानहीनता एक उल्लेखनीय अपवाद है।

लघु विधि: झूठी; उड़ान रहित पक्षी मौजूद हैं।

Q31: कथन: सभी मछलियाँ पानी में रहती हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सच है, क्योंकि मछली जलीय कशेरुक हैं जो पानी में जीवन के अनुकूल हैं। हालाँकि, इस नियम के अपवाद हैं। कुछ मछली प्रजातियां, जैसे कि लंगफिश और मडस्किपर्स, में शारीरिक अनुकूलन होते हैं जो उन्हें विस्तारित अवधि के लिए स्थलीय वातावरण में जीवित रहने की अनुमति देते हैं। उदाहरण के लिए, लंगफिश ने तैरने वाले मूत्राशय को संशोधित किया है जो आदिम फेफड़ों के रूप में कार्य करते हैं, जिससे उन्हें हवा में सांस लेने में सक्षम बनाया जाता है। मडस्किपर्स में अपनी त्वचा के माध्यम से सांस लेने और नमी बनाए रखने की क्षमता होती है, जिससे उन्हें जमीन और पानी दोनों को नेविगेट करने की अनुमति मिलती है। इसलिए, जबकि अधिकांश मछली वास्तव में जलीय हैं, अपवाद विशेष प्रजातियों के बीच मौजूद हैं।

संक्षिप्त विधि: ज्यादातर सच है; कुछ मछली जमीन पर जीवित रह सकती हैं।

Q32: कथन: सभी स्तनधारी युवा रहने के लिए जन्म देते हैं।

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। अधिकांश स्तनधारियों को विविपेरस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसका अर्थ है कि वे जीवित संतानों को जन्म देते हैं जो मां के गर्भाशय में आंतरिक रूप से विकसित होते हैं। हालांकि, इस प्रजनन रणनीति के अपवाद हैं। मोनोट्रेम, जैसे कि प्लैटिपस और इकिडना, अंडे देने वाले स्तनधारी हैं जिन्हें डिंबप्रजक स्तनधारियों के रूप में जाना जाता है। ये अद्वितीय स्तनधारी अंडे देते हैं जो मां के शरीर के बाहर निकलते हैं, अंडे देने वाले सरीसृपों और जीवित स्तनधारियों के बीच एक संक्रमणकालीन रूप का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए, जबकि स्तनधारियों के बीच जीवित जन्म आम है, कुछ वर्गीकरण समूहों के भीतर अपवाद मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; मोनोट्रेम अंडे देने वाले स्तनधारी हैं।

Q33: कथन: सभी धातुएँ विद्युत की सुचालक हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। कई धातुएँ वास्तव में अपनी परमाणु संरचना के भीतर मुक्त इलेक्ट्रॉनों की गतिशीलता के कारण बिजली की अच्छी संवाहक हैं। हालांकि, इस नियम के अपवाद हैं। कुछ धातुएँ, जैसे सीसा और बिस्मथ, अपने उच्च विद्युत प्रतिरोध के कारण बिजली के खराब कंडक्टर हैं। इसके अतिरिक्त, धातु मिश्र धातु उनकी संरचना और माइक्रोस्ट्रक्चर के आधार पर विभिन्न विद्युत चालकता प्रदर्शित कर सकते हैं। इसलिए, जबकि धातुओं का उपयोग आमतौर पर विद्युत अनुप्रयोगों में किया जाता है, कुछ धातु तत्वों और मिश्र धातुओं के बीच अपवाद मौजूद हैं। **लघु विधि:** ज्यादातर सच है; कुछ धातुएँ खराब कंडक्टर हैं।

Q34: कथन: सभी सरीसृप अंडे देते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। अधिकांश सरीसृप अंडाकार होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे प्रजनन के लिए अंडे देते हैं। हालांकि, इस प्रजनन रणनीति के अपवाद हैं। कुछ सरीसृप, जैसे कि सांप और छिपकलियों की कुछ प्रजातियाँ, सजीवप्रजक होती हैं, जो अंडे देने के बजाय जीवित युवा को जन्म देती हैं। सरीसृपों में विविपैरिटी कई वंशों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुई है और अक्सर ठंडी जलवायु या विशिष्ट पारिस्थितिक निचे से जुड़ी होती है। इसलिए, जबकि सरीसृपों के बीच अंडे देना आम है, कुछ सरीसृप टैक्सा में विविपोरस प्रजनन होता है।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; कुछ सरीसृप जीवित जन्म देते हैं।

Q35: कथन: सभी कोशिकाओं में डीएनए होता है।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) जीवित जीवों की अधिकांश कोशिकाओं में पाया जाने वाला आनुवंशिक पदार्थ है, जो आनुवंशिक जानकारी के भंडारण और संचारण के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, कोशिकाओं में डीएनए की उपस्थिति के अपवाद हैं। कुछ विशेष सेल प्रकार, जैसे स्तनधारियों में परिपक्व लाल रक्त कोशिकाओं (एरिथ्रोसाइट्स), में नाभिक की कमी होती है और इसलिए इसमें डीएनए नहीं होता है। इसके अतिरिक्त, कुछ वायरस, जबकि कोशिकाओं को नहीं माना जाता

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

हैं, में डीएनए या आरएनए जैसी आनुवंशिक सामग्री होती है। इसलिए, जबकि डीएनए अधिकांश सेलुलर जीवन रूपों में सर्वव्यापी है, अपवाद विशेष सेल प्रकारों और वायरल संस्थाओं में मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; विशेष कोशिकाओं में अपवाद।

Q36: कथन: सभी अभाज्य संख्याएँ विषम हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। हालांकि यह सच है कि कुछ अभाज्य संख्याएँ विषम हैं (जैसे, 3, 5, 7), सभी अभाज्य संख्याएँ इस विशेषता को प्रदर्शित नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए, संख्या 2 एकमात्र सम अभाज्य संख्या है, क्योंकि यह केवल 1 और स्वयं से विभाज्य है। इसके अतिरिक्त, 2 से अधिक अभाज्य संख्याएँ विषम और सम होने के बीच वैकल्पिक होती हैं। इसलिए, जबकि कई अभाज्य संख्याएँ विषम हैं, अपवाद स्वयं अभाज्य संख्याओं के बीच मौजूद हैं।

संक्षिप्त विधि: गलत; 2 एक सम अभाज्य संख्या है।

Q37: कथन: सभी पौधे प्रकाश संश्लेषण करते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। प्रकाश संश्लेषण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा हरे पौधे और कुछ अन्य जीव कार्बन डाइऑक्साइड और पानी से पोषक तत्वों को संश्लेषित करने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करते हैं। जबकि अधिकांश पौधे प्रकाश संश्लेषण करते हैं, इस नियम के अपवाद हैं। परजीवी पौधे, जैसे कि डोडर और झाड़ू, अन्य पौधों के प्रकाश संश्लेषक ऊतकों को परजीवी बनाकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं और स्वयं प्रकाश संश्लेषण नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ गैर-प्रकाश संश्लेषक पौधे, जैसे कि भारतीय पाइप और लाश के फूल, वैकल्पिक साधनों जैसे कि माइकोरिज़ल कवक या हेटरोट्रोफ़िक फीडिंग के माध्यम से पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। इसलिए, जबकि प्रकाश संश्लेषण पौधों के बीच आम है, विशेष पौधों की प्रजातियों के बीच अपवाद मौजूद हैं।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; परजीवी और गैर-प्रकाश संश्लेषक पौधों में अपवाद।

Q38: कथन: सभी महाद्वीप पूरी तरह से एक गोलार्ध में स्थित हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। महाद्वीप पृथ्वी की सतह पर बड़े भूभाग हैं, और कई कई गोलार्ध हैं। उदाहरण के लिए, अफ्रीका, एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप उत्तरी और दक्षिणी दोनों गोलार्धों में स्थित हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ महाद्वीप, जैसे कि दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया, मुख्य रूप से एक गोलार्ध में स्थित हैं, लेकिन विपरीत गोलार्ध में अलग-अलग डिग्री तक फैले हुए हैं। इसलिए, जबकि महाद्वीप मुख्य रूप से एक गोलार्ध में स्थित हो सकते हैं, उनकी सीमाएं गोलार्ध रेखाओं को पार कर सकती हैं।

लघु विधि: गलत; महाद्वीप कई गोलार्धों में फैले हुए हैं।

Q39: कथन: सभी गैसों अदृश्य हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि कई गैसों वास्तव में नग्न आंखों के लिए अदृश्य हैं, इस नियम के अपवाद हैं। कुछ गैसों कुछ शर्तों के तहत रंग या अस्पष्टता प्रदर्शित करती हैं। उदाहरण के लिए, क्लोरीन गैस में

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



Geh Press

Technical & Scientific Book Publishers
USA Japan Singapore Germany India Australia

Logical Reasoning Tricks and Techniques for

Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.

पीला-हरा रंग होता है, ब्रोमीन वाष्प लाल-भूरा होता है, और सल्फर डाइऑक्साइड गैस पीला होता है। इसके अतिरिक्त, गैसों तब दिखाई दे सकती हैं जब वे बूंदों में संघनित हो जाती हैं या एरोसोल बनाती हैं, जैसा कि कोहरे, धुंध या धुएं में देखा जाता है। इसलिए, जबकि गैसों के बीच अदृश्यता आम है, विशिष्ट गैस और पर्यावरणीय कारकों के आधार पर अपवाद मौजूद हैं।

संक्षिप्त विधि: ज्यादातर सच है; कुछ गैसों दिखाई देती हैं।

Q40: कथन: सभी स्तनधारियों में स्तन ग्रंथियां होती हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन आम तौर पर सत्य है लेकिन अपवादों के साथ। स्तन ग्रंथियां विशेष ग्रंथियां हैं जो संतानों को पोषण देने के लिए दूध का उत्पादन करती हैं, और वे स्तनधारियों की एक परिभाषित विशेषता हैं। हालांकि, स्तन ग्रंथियों की उपस्थिति के अपवाद हैं। नर स्तनधारियों में आमतौर पर अल्पविकसित स्तन ऊतक होते हैं लेकिन कार्यात्मक स्तन ग्रंथियों की कमी होती है। इसके अतिरिक्त, मोनोट्रेम की कुछ प्रजातियां, जैसे कि प्लैटिपस और इकिडना, में निपल्स की कमी होती है।

लघु विधि: ज्यादातर सच है; स्तन ग्रंथियां स्तनधारियों की विशेषता हैं।

Q41: कथन: सभी रेगिस्तान गर्म और रेतीले होते हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि कई रेगिस्तान वास्तव में गर्म तापमान और रेतीले इलाके की विशेषता हैं, इस सामान्यीकरण के अपवाद हैं। रेगिस्तान को उनकी भौगोलिक स्थिति, जलवायु और प्रमुख सतह विशेषताओं के आधार पर विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, ठंडे रेगिस्तान, जैसे कि एशिया में गोबी रेगिस्तान और अंटार्कटिक रेगिस्तान, कम तापमान का अनुभव करते हैं और इसमें रेत के टीलों के बजाय चट्टानी या बर्फाले परिदृश्य शामिल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, दक्षिण अमेरिका में अटाकामा रेगिस्तान जैसे तटीय रेगिस्तानों में व्यापक रेतीले क्षेत्रों के बजाय ठंडे तापमान और चट्टानी तट हो सकते हैं। इसलिए, जबकि गर्म और रेतीले रेगिस्तान आम हैं, रेगिस्तानी पारिस्थितिक तंत्र के बीच भिन्नताएं मौजूद हैं।

लघु विधि: गलत; रेगिस्तान तापमान और इलाके में भिन्न होते हैं।

Q42: कथन: सौर मंडल के सभी ग्रहों में चंद्रमा हैं।

तर्क: लंबी विधि: यह कथन गलत है। जबकि सौर मंडल के कई ग्रहों में चंद्रमा या प्राकृतिक उपग्रह होते हैं, सभी ग्रहों में यह विशेषता नहीं होती है। उदाहरण के लिए, बुध और शुक्र, दो अंतरतम ग्रह, कोई चंद्रमा नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, प्लूटो जैसे कुछ बौने ग्रहों में पूर्ण ग्रहों के रूप में वर्गीकृत नहीं होने के बावजूद चंद्रमा हैं। इसलिए, जबकि चंद्रमा ग्रहों के बीच आम हैं, कुछ ग्रहों के पिंडों के बीच अपवाद मौजूद हैं।

संक्षिप्त विधि: गलत; कुछ ग्रहों में चंद्रमाओं की कमी होती है।

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)